भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3056
13 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

लौह की कमी से होने वाली रक्ताल्पता

3056. श्री सुब्बारायण के.:
श्री सेल्वाराज वी.:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश में लौह की कमी से होने वाले रक्ताल्पता से कुल कितने लोग ग्रस्त हैं तथा उनकी प्रतिशतता क्या है;
(ख) क्या देश में रक्ताल्पता से ग्रस्त लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा रक्ताल्पता से ग्रस्त लोगों की बढ़ती संख्या की चुनौती से निपटने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं; और
(घ) क्या सरकार इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी करती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख): राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 4 और 5 के अनुसार विभिन्न आयु समूहों में एनीमिया की व्यापकता निम्नानुसार है:-

सर्वेक्षण	6-59 महीने की आयु के बच्चे जो एनीमिया से ग्रस्त हैं (%)	15-19 वर्ष की आयु की सभी महिलाएं जो एनीमिया से ग्रस्त हैं (%)	15-49 वर्ष की आयु की सभी महिलाएं जो एनीमिया से ग्रस्त हैं (%)	15-49 वर्ष की गर्भवती महिलाएं जो एनीमिया से ग्रस्त हैं (%)	15-49 वर्ष की स्तनपान कराने वाली महिलाएं जो एनीमिया से ग्रस्त हैं (%)
एनएफएचएस 5	67.1	59.1	57.0	52.2	60.6
एनएफएचएस 4	58.6	54.1	53.1	50.4	58.0

(ग): भारत सरकार छह लाभार्थी समूहों- 6-59 महीने के शिशु, 5-9 साल के बच्चे, किशोर (10-19 वर्ष), प्रजनन आयु वाली महिलाएं (15-49 वर्ष), गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताओं के बीच जीवन चक्र दृष्टिकोण के तहत एनीमिया के प्रसार को कम करने के लिए 6X6X6 रणनीति में एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) कार्यक्रम लागू करती है। छह क्रियाकलापों के माध्यम से जीवन चक्र दृष्टिकोण में - प्रोफिलैक्टिक आयरन और फोलिक एसिड अनुपूरण (आईएफए रेड प्रजनन आयु समूह की महिलाओं को साप्ताहिक रूप से प्रदान किया जाता है और गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को आईएफए रेड गो依据ियां (180 दिनों के लिए दैनिक) प्रदान की जाती हैं), कृमि मुक्ति, वर्ष भर चलने वाले व्यवहार परिवर्तन संचार अभियान को बढ़ाना, डिजिटल इनवेसिव हीमोग्लोबिनोमीटर का उपयोग करके एनीमिया की जांच और परिचर्या स्थल पर उपचार, जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आयरन और फोलिक एसिड युक्त खाद्य पदार्थों का अनिवार्य प्रावधान, सुदृढ़ संस्थागत तंत्र के माध्यम से मलेरिया, हीमोग्लोबिनोपैथी और फ्लोरोसिस पर विशेष ध्यान देने के साथ स्थानिकमारी क्षेत्रों में एनीमिया के गैर-पोषण संबंधी कारणों का समाधान करने के लिए काम किया जा रहा है।

(घ): सरकार एनीमिया मुक्त भारत के कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य स्तरीय समीक्षा बैठकें, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के क्षेत्रीय दौरे और सामान्य समीक्षा मिशन (सीआरएम) चलाती है। एएनएम, सीएचओ और आशा के रूप में क्षेत्रीय स्तर के कार्यकर्ता एनीमिया की रोकथाम, प्रबंधन और स्वस्थ आहार के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में बच्चों, किशोरों और गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं सहित महिलाओं में एनीमिया के प्रति स्वास्थ्य क्रियाकलापों को सुदृढ़ करने के लिए सहायक पर्यवेक्षण दौरे किए जाते हैं।